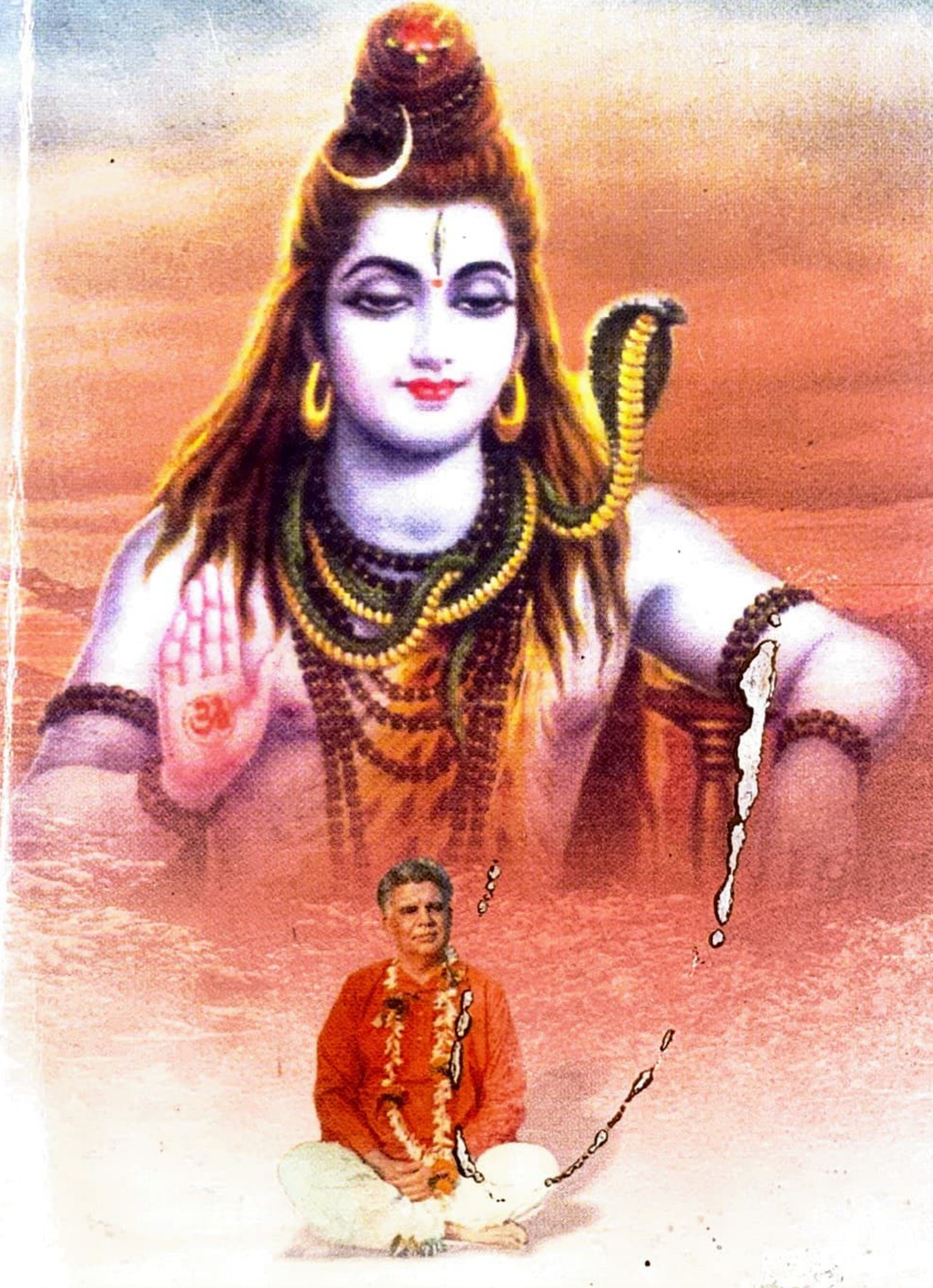

श्री शिव महिमा

"ॐ साईं शक्ति शंकराय नमः"

॥ श्री शिव महिमा ॥

ॐ श्री आदि गणेशाय नमः ॥ ॐ शिव शक्ति ॐ ॥ वन्दऊँ गणपति चरण कमल हृदय में धर ध्यान ॥ पावन भक्ति शंकर की कीजो हमें प्रदान ॥ १ ॥ ॐ साईं शंकराय नमः ॥ नमो शंकराय नमो रुद्राय ॥ नमो गंगधारी नमो त्रिपुरारी ॥ नमो ब्रह्मरूपा नमो देव भूपा ॥ नमो विघ्न हर्‍ता कल्याण कर्‍ता ॥ नमो शिव भुजंगी

नमो भस्म अंगी ॥ नमो जग आधारा नमो शिव अपारा ॥ नमो विश्वनाथा जगत् तेरे हाथा ॥ नमो देव देवा मुनि करत सेवा ॥ नमो पापहारी जटा जूट धारी ॥ नमो अन्तरयामी सर्व जग के स्वामी ॥ ॐ श्री चन्द्रमौलीश्वराय नमः ॥ २ ॥ जै जै शंकर पराशिवाय ॥ दिव्य दिव्य श्री राम सुहाय ॥ ३ ॥ ॐ श्री ओंकारेश्वराय नमः ॥ नमस्तंग रामेश्वर नमस्तंग महेश्वर ॥ नमस्तंग सुरेश्वर नमस्तंग सुमेश्वर ॥ नमस्तंग अखलेश्वर

नमस्तंग परमेश्वर ॥ नमस्तंग योगीश्वर नमस्तंग जगदीश्वर ॥ नमस्तंग गौरीश्वर नमस्तंग देवीश्वर ॥ नमस्तंग शिवाय नमस्तंग हरआय ॥ नमस्तंग साकारे नमस्तंग निराकारे ॥ नमस्तंग ज्ञाने नमस्तंग भगवाने ॥ नमस्तंग अखण्डे नमस्तंग प्रचण्डे ॥ नमस्तंग दयाले नमस्तंग कृपाले ॥ नमस्तंग अनूपे ज्योति स्वरूपे ॥ नमस्तंग स्वामी नमामी नमामी ॥ ॐ श्री केदारनाथाय नमः ॥ ४ ॥ हर हर शंकर ॥ साईं

शंकर ॥ ५ ॥ ॐ श्री गौरीशंकराय नमः ॥
सदाशिव शम्भू नमामी नमामी ॥ सर्व जग के
बन्धु नमामी नमामी ॥ शंकर विधाता नमामी
नमामी ॥ मुक्ति के दाता नमामी नमामी ॥
भोले भण्डारी नमामी नमामी ॥ निशाचर संघारी
नमामी नमामी ॥ कैलाशनाथा नमामी नमामी ॥
त्रैशूल हाथा नमामी नमामी ॥ प्रभु अविनाशी
नमामी नमामी ॥ घट घट के वासी नमामी
नमामी ॥ ॐ श्री मौलीशंकराय नमः ॥ ६ ॥

जय जय शंकर दीनदयाला ॥ जय जय साईंनाथ कृपाला ॥ ७ ॥ ॐ श्री महाकालेश्वराय नमः ॥

भज शिव शंकर नमो नमो ॥ भज शिव शंकर नमो नमो ॥ शिव जग को रचता नमो नमो ॥ शिव पालन करता नमो नमो ॥ शिव अन्त में हरता नमो नमो ॥ भज शिव शंकर नमो नमो ॥ शिव मुनि मन रन्जन नमो नमो ॥ शिव सब दुख भन्जन नमो नमो ॥ शिव ज्योत निरन्जन नमो नमो ॥ भज शिव शंकर नमो नमो ॥

शिव सुर हितकारी नमो नमो ।। शिव असुर संघारी नमो नमो ।। शिव भक्तनवारी नमो नमो ।। भज शिव शंकर नमो नमो ।। शिव ब्रह्म स्वरूपा नमो नमो ।। शिव रूप अनूपा नमो नमो ।। शिव सुर नर भूपा नमो नमो ।। भज शिव शंकर नमो नमो ।। शिव शंकर काशी नमो नमो ।। शिव सुख के राशी नमो नमो ।। शिव हर अविनाशी नमो नमो ।। भज शिव शंकर नमो नमो ।। शिव जग प्रतिपाला नमो

नमो ॥ शिव दीनदयाला नमो नमो ॥ शिव शम्भू कृपाला नमो नमो ॥ भज शिव शंकर नमो नमो ॥ ॐ श्री तुंगनाथाय नमः ॥ ८ ॥

शंकर साईं पूरन काम ॥ आनन्द भैरव तेरो नाम ॥ ९ ॥ ॐ शिव शक्ति ॐ ॥ शिव बत्तीसी ॥ जय महादेव देवों के देव जय शिव भोले भण्डारी ॥ जय गौरीश्वर जय जगदीश्वर जय शम्भू जय त्रिपुरारी ॥ जय नीलकण्ठ जय उमानाथ जय कामदेव संघारी ॥ जय विश्वम्भर

मौलीशंकर जय देवों के हितकारी ॥ जय शिव शम्भू जय त्रिलोचन हम आये शरण तुम्हारी ॥ जय विश्वनाथ संकट मोचन प्रभु राखो लाज हमारी ॥ जय आसुतोष गिरजाशंकर निज भक्तों के दुखटारी ॥ जय चन्द्रभाल जय महाकाल तेरो नाम है मंगलकारी ॥ जय जय जय त्रिलोकपति जय अखलेश्वर असुरारी ॥ जय जयकार कर रहे हैं बालक हर चरणों पे बलिहारी ॥ ॐ श्री रामेश्वराय नमः ॥ १० ॥ जय साम्ब सदाशिव

साईं हरे ॥ जो शरणाए सो भव से तरे ॥ ११ ॥
श्री शंकर परिवार स्तोत्र ॥ जै जै शंकर पार्वती
नन्दी पर अस्वार ॥ शंकर पार्वती के वाहन
नन्दी जी को नमस्कार ॥ जै जै जै श्री नागदेव
जै जै आदि गणेश ॥ पूजन शिव परिवार का
मंगल करें महेश ॥ १२ ॥ ॐ साईं शंकर ॐ
साईं राम ॥ त्रिवेणी ॥ शिव कहे मन निर्मल
होए ॥ शिव कहे दुर्मति खोए ॥ शिव कहे सुख
होए अपारा ॥ शिव कहे बिनसे दुख भारा ॥

शिव कहे सुने ब्रह्म नाद ॥ शिव कहे प्रभु का प्रसाद ॥ शिव कहे शिव होएँ सहाई ॥ शिव कहे बिगड़ी बन जाई ॥ शिव कहे मन बारम्बार ॥ शिव कहे हर को नमस्कार ॥ (१) ॥ शंकर कहत होए कल्याणा ॥ शंकर कहत मिटे अज्ञाना ॥ शंकर कहत मुनि और ज्ञानी ॥ शंकर कहत सुर साधु ध्यानी ॥ शंकर कहत भर्‍म का नाश ॥ शंकर कहत होयें कारज रास ॥ शंकर कहत सब तीर्‍थ नहाईये ॥ शंकर

कहत परमानन्द पाईये ॥ शंकर कहत होए उजियाला ॥ शंकर कहत मिटे जंजाला ॥ (२) ॥ शम्भू भज भव सागर तरिये ॥ शम्भू भज हर शरणी पड़िये ॥ शम्भू भज जाये अंधियारा ॥ शम्भू भज हर नाम अधारा ॥ शम्भू भज यम की नहीं त्रासा ॥ शम्भू भज होए पूरन आशा ॥ शम्भू भज हर के गुण गायें ॥ शम्भू भज हर हृदय समायें ॥ शम्भू भजै सकल संसारा ॥ शम्भू भज पावे निरंकारा ॥ (३) ॥ ये त्रिवेणी

प्रेम से पढ़े सुने नित जो ॥ चित्त शुद्धि ता की होए मन भी निर्मल हो ॥ शिव अस्तुति शिव वन्दना शिव महिमा अपरम्पार ॥ भज रे मानव तू सदा निशदिन सहित प्यार ॥ ॐ श्री चन्द्रमौलीश्वराय नमः ॥ १३ ॥ जय करुणेश्वर जय सर्वेश्वर ॥ जय भवनेश्वर पातालेश्वर ॥ १४ ॥ ॐ साईं हरिहराय नमः ॥ शंकर मात पितो गुरु स्वामी ॥ घट में बसते अन्तरयामी ॥ चरण कमल पे वारी जाएँ ॥

शंकर शंकर सदा ध्याएँ ।। शंकर जीवन के आधार ।। साईं शंकर अपरम्पार ।। जै जै शंकर सिरजनहार ।। तुझ बिन जीना है बेकार ।। ॐ साईं शक्ति शंकराय नमः ।। १५ ।। सब में हरि हर देखते सब से करो स्नेह ।। हर कृपा हर आप मिलें इसमें नाहीं सन्देह ।। १६ ।। ॐ साईं ताराकेश्वराय नमः ।। धन्य धन्य शिव शम्भू भोले भक्तों के आधार ।। धन्य धन्य गौरीपति मैं वन्दऊँ बारम्बार ।। पवित्र पवित्र पवित्र प्रभु

की लीला अपरम्पार ॥ पवित्र है हर की अमर कीर्ती करते वेद पुकार ॥ निर्मल निर्मल निर्मल शिवजी अगम अजर अपार ॥ विचित्र विचित्र है हर की माया भूल रहा संसार ॥ अमर अमर अमर हैं शंकर सर्गुण निर्गुणहार ॥ अमर है हर की अमर कीर्ती मैं जाऊँ सद् बलिहार ॥ सुन्दर सुन्दर रूप मनोहर नन्दी पे अस्वार ॥ न्यारी न्यारी हर की शोभा दूख अमंगलहार ॥ ॐ श्री गंगधारियाय नमः ॥ १७ ॥ ओहम् सोहम् ॥

शिवोहम् शिवोहम् ॥ १८ ॥ ॐ साईं शिव शक्ति ॐ ॥ शंकर की इच्छया से माँ ने कोटि लोक उपाए ॥ इन लोकों में शक्ति माँ ने भिन्न भिन्न जीव बनाए ॥ सब का पालन पोषण करते शंकर शक्ति आप ॥ सब लोकों में सब जीवों में आपे रह्यो व्याप ॥ विरला कोई गुरु दया से जान लेत ये मर्म ॥ ऐसे शरणागत् के मन से मिट जाएँ सब भ्र्म ॥ जान ल्यो हे सन्तो शिव शक्ति हैं दोनों एक ॥ शिव शक्ति

के भजन बिन होए न ज्ञान विवेक ॥ ॐ साईं गौरीशंकराय नमः ॥ १९ ॥ हर जी होएँ दयाल तो मनुवा बोलै ओहम् ओहम् ओहम् ॥ शिवोहम् शिवोहम् शिवोहम् शिवोहम् ॥ २० ॥ ॐ साईं शंकर ॐ साईं राम ॥ हर की महिमा जुग जुग में सब ऋषि मुनि हैं गायो ॥ जब जब हुई धर्म की हानि हर ने आन बचायो ॥ ऐसे ही जब कलयुग माहीं अंधकार है छायो ॥ प्रगटे हर जी जग के अन्दर साईंनाथ कहायो ॥

साईंनाथ दयाल सभी को सत् सन्देश सुनायो ॥ परम् दया से पतित जनों को भव से पार लगायो ॥ सुखी भये सब सन्त भक्त जन हर का दर्शन पायो ॥ जय जय साईं शंकर की सब मन में धुनि लगायो ॥ ॐ साईं शंकराय नमः ॥ २१ ॥ ॐ नमो शिवाय नमो शिवाय शिवाय शिवाय नमो नमः ॥ २२ ॥ ॐ साईं आनन्द भैरवाय नमः ॥ शंकर शंकर शंकर ॥ शंकर शंकर शंकर ॥ जन हितकारी शंकर ॥

मंगलकारी शंकर ।। अमंगलहारी शंकर ।। शंकर शंकर शंकर ।। असुर संहारी शंकर ।। गंगाधारी शंकर ।। भव भय हारी शंकर ।। शंकर शंकर शंकर ।। शंकर शंकर शंकर ।। ॐ श्री पार्वतीवल्लभाय नमः ।। २३ ।। भज मन शंकर शंकर शंकर ।। गौरीशंकर गौरीशंकर गौरीशंकर गौरीशंकर ।। २४ ।। ॐ सिरी चन्द्रमौलीश्वराय नमः ।। हर हर भजो भजो दिन रात ।। हर बिन जीवन बिर्था जात ।। भजन बिना कोई काम

न आवै ॥ जो हर भजै सोई तर जावै ॥ स्वासों स्वासा हर को भज ॥ जग का झूठा सपना तज ॥ हर समान दाता न कोए ॥ जो हर भूलै सद् ही रोए ॥ हर जी भजो सदा सुख पाओ ॥ एको हर जी को अपनाओ ॥ जो हर के अर्पित हो जावें ॥ ता को हर जी पार लगावें ॥ ॐ शंकर काशियाय नमः ॥ २५ ॥ हे शिवा हे शिवा हे शिव शक्ति महान ॥ दया करो दया करो हम बालक नादान ॥ २६ ॥ ॐ साईं शिव

शक्तियै नमः ॥ कबित ॥ वेद गुण गान करें सन्त जन शरण पड़ें शंकर की महिमा सब पुराणों ने सुनाई है ॥ मुनिवर ध्यान करें देवी देव चरण पड़ें शिवजी ने बम बम डमरू बजाई है ॥ विष का जो पान करें विश्व का कल्याण करें सब जग ऐसे शिव शम्भू को ध्याई है ॥ भक्तों के कार्य करें सब के विकार हरें हर चरणों पे नित बल बल जाई है ॥ ॐ साईं आनन्द भैरवाय नमः ॥ २७ ॥ केवल भोले मन

के माहीं बसते भोलेनाथ ।। ऐसे सीधे जीव पर
रहता उनका हाथ ।। २८ ।। ॐ साईं शंकर ॐ
साईं राम ।। हर जी साचो तू कर्तार ।। तू ही
सब कुछ करै करावै ।। हर विचार तू आप
उठावै ।। सभै नचावनहार ।। हर जी साचो तू
करतार ।। हर जी सर्व जियां आधार ।। माटी
अन्दर पवन चलावै ।। ऊपर नीचे आवै जावै ।।
झूठो है संसार ।। हर जी सर्व जियाँ आधार ।।
ॐ श्री महाकालेश्वराय नमः ।। २९ ।। मन

मोहिनी तेरी माया सब को लेत फँसाए ।। हे जगत् पते शिव शंकर शंभू हम को ल्यो बचाए ।। ३० ।। ॐ श्री त्र्यंबकेश्वराय नमः ।। बोलत है शिवलिंग मैं एको एका ।। सभी रूप में मैं मुझ माहिं अनेका ।। ज्योतिर्लिंग क्या है ज्योति की पूजा ।। सब घट एको मैं नाहीं है दूजा ।। ॐ श्री मौलीशंकराय नमः ।। जै जै शंकर पराशिवाय ।। जै हो जै हो काली माए ।। ३१ ।। ॐ साईं शंकराय नमः ।। साईं

शंकर जानो सत् ॥ सन्त जनों का है ये मत ॥ साईं शंकर एको रूप ॥ एक ओंकार परम् अनूप ॥ साईं शंकर एको जान ॥ साईं शंकर ब्रह्म पहिचान ॥ साईं शंकर सब में देख ॥ रूप रूप में पूरन पेख ॥ साईं शंकर सिरजनहार ॥ सर्व जीओं के एक आधार ॥ ॐ श्री कल्याणेश्वराय नमः ॥ ३२ ॥ जै जै शंकर साम्ब सदाशिव अजर अमर जै साईं हरे ॥ अलख निरंजन भव भय भन्जन सब जग के भण्डार

भरे ॥ ३३ ॥ ॐ साईं शिवशक्तियै नमः ॥ शंकर शंकर भज मन माहीं ॥ शंकर बिन ये जग कछु नाहीं ॥ शंकर सोयम् तेरो साईं ॥ शंकर हैं सब घट के माहीं ॥ शंकर मात पिता इस जग के शंकर सब के स्वामी हैं ॥ शंकर शक्ति दोनों एकै शंकर मात भवानी हैं ॥ शंकर शक्ति हर हर हर ॥ शक्ति शंकर हर हर हर ॥ ॐ श्री भूतेश्वराय नमः ॥ ३४ ॥ पार्वती वल्लभ भोले शंकर शिर्डी माहीं आए ॥ सर्व जगत् को

पावन कीनो साईं नाम धराए ॥ ३५ ॥ शंकर शिवजी भोले शम्भू निशदिन हर हर गाऊँ मैं ॥ शंकर रघुवर एक स्वरूपा हरि हर हरि हर ध्याऊँ मैं ॥ दास तुम्हारे की ये विनती तुमरी किरपा पाऊ मैं ॥ तुमरी किरपा पाऊँ तो श्री रामचन्द्र को भाऊँ मैं ॥ ॐ साईं मंगलेश्वराय नमः ॥ ३६ ॥ शंकर साईं सच्चिदानन्दा ॥ ज्योति स्वरूपा परमानन्दा ॥ ३७ ॥ शिव शम्भू हर हर हर ॥ गौरीपते हर हर हर ॥ कैलाशपते

हर हर हर ॥ जगतपते हर हर हर ॥ शंकर शंकर शंकर शंकर शंकर शंकर ॥

"ॐ शिव शक्ति ॐ"

"ॐ श्री साईं"